तेरा शुक्रिया है, तेरा शुक्रिया है

धुन : जहां ले चलोगे वहीं मैं चलूंगा

तेरा शुक्रिया है तेरा शुक्रिया है, तुमने प्रभु हमको सब
कुछ दिया है

1. तुम्हारी कृपा से ये जीवन मिला है
   हर सुख साधन का उपवन खिला है
   पूर्ण गुरु का तूने संग जो दिया है, तेरा शुक्रिया----------

2. बल बुद्धि भक्ति सेवा सुमिरन दिया है
   लेकर शरण में जीवन धन्य कर दिया है
   उपकार ये जो तुमने हम पर किया है----------

3. नज़रे कर्म ये तेरा रहे सलामत
   बरसती रहे "मधुप" यूहीं ये रहमत
   सर्वस हमने तेरे, नाम कर दिया है----------

   नोट : सर्वाधिकार लेखक द्वारा सुरक्षित, भजन के शब्दों की तोड़ मोड़ करना सख्त वर्जित है.

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36873/title/tera-shukriya-hai-tera-shukriya-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |